



0972CH01

अध्याय 1

# डैमोक्रेसी क्या होती है? लोकतंत्र क्यों?

## अवलोकन

लोकतंत्र क्या है? इसकी विशेषताएँ क्या हैं? यह अध्याय लोकतंत्र की एक सरल परिभाषा पर आधारित है। चरण दर चरण, हम इस परिभाषा में शामिल शब्दों के अर्थ को स्पष्ट करते हैं। यहाँ उद्देश्य एक लोकतांत्रिक शासन प्रणाली की न्यूनतम विशेषताओं को स्पष्ट रूप से समझना है। इस अध्याय को पढ़ने के बाद, हम एक लोकतांत्रिक शासन प्रणाली और एक गैर-लोकतांत्रिक शासन प्रणाली के बीच अंतर समझ पाएँगे। इस अध्याय के अंत में, हम इस न्यूनतम उद्देश्य से आगे बढ़कर लोकतंत्र की एक व्यापक अवधारणा प्रस्तुत करते हैं।

लोकतंत्र आज दुनिया में सबसे प्रचलित शासन प्रणाली है और इसका विस्तार और भी देशों में हो रहा है। लेकिन ऐसा क्यों है? यह अन्य शासन प्रणालियों से बेहतर क्यों है? यही दूसरा बड़ा सवाल है जिस पर हम इस अध्याय में चर्चा करेंगे।

## 1.1 लोकतंत्र क्या है ?

आप विभिन्न प्रकार की सरकारों के बारे में पहले ही पढ़ चुके हैं। लोकतंत्र के बारे में अपनी अब तक की समझ के आधार पर, कुछ उदाहरण देते हुए, इनकी कुछ सामान्य विशेषताएँ लिखिए:

लोकतांत्रिक सरकारें  
गैर-लोकतांत्रिक सरकारें

### लोकतंत्र को परिभाषित क्यों करें?

आगे बढ़ने से पहले, आइए मेरी की एक आपत्ति पर गौर करें। उन्हें लोकतंत्र को परिभाषित करने का यह तरीका पसंद नहीं है और वे कुछ बुनियादी सवाल पूछना चाहती हैं।

उसकी शिक्षिका मटिल्डा लिंगदोह उसके सवालों का जवाब देती हैं, और बाकी सहपाठी भी चर्चा में शामिल हो जाते हैं: मेरी: मैडम, मुझे यह विचार पसंद नहीं है। पहले हम लोकतंत्र पर चर्चा करते हैं और फिर लोकतंत्र का अर्थ जानना चाहते हैं। मेरा मतलब है कि तार्किक रूप से क्या हमें इसे उल्टा नहीं समझना चाहिए था? क्या पहले अर्थ और फिर उदाहरण नहीं आना चाहिए था?

लिंगदोह मैडम: मैं आपकी बात समझ सकती हूँ। लेकिन हम रोज़मर्रा की ज़िंदगी में इस तरह तर्क नहीं करते। हम कलम, बारिश या प्यार जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। क्या हम इन शब्दों का इस्तेमाल करने से पहले उनकी परिभाषा जानने का इंतज़ार करते हैं?

ज़रा सोचिए, क्या हमारे पास इन शब्दों की स्पष्ट परिभाषा है? किसी शब्द का इस्तेमाल करके ही हम उसका अर्थ समझ पाते हैं।

मेरी: लेकिन फिर हमें परिभाषाओं की आवश्यकता ही क्यों है?

लिंगदोह महोदय: हमें परिभाषा की आवश्यकता तभी पड़ती है जब हम किसी शब्द के प्रयोग में कठिनाई आती है।

हमें बारिश की परिभाषा की ज़रूरत तभी पड़ती है जब हम उसे, जैसे कि बूँदाबाँदी या बादल फटने से अलग करना चाहते हैं। लोकतंत्र के लिए भी यही बात लागू होती है। हमें स्पष्ट परिभाषा की ज़रूरत सिर्फ़ इसलिए है क्योंकि लोग इसका इस्तेमाल अलग-अलग उद्देश्यों के लिए करते हैं, क्योंकि बहुत अलग-अलग तरह की सरकारें खुद को लोकतंत्र कहती हैं।

रिबियंग: लेकिन हमें किसी परिभाषा पर काम करने की ज़रूरत क्यों है?

आपने पिछले दिनों हमें अब्राहम लिंकन का एक कथन सुनाया था: "लोकतंत्र जनता का, जनता द्वारा और जनता के लिए शासन है।"

मेघालय में हम हमेशा अपनी ही हुकूमत चलाते आए हैं। यह बात सभी मानते हैं। हमें इसे बदलने की क्या ज़रूरत है?

लिंगदोह मैडम: मैं ये नहीं कह रही कि हमें इसे बदलने की ज़रूरत है। मुझे भी ये परिभाषा बहुत सुंदर लगती है।

लेकिन जब तक हम खुद इस बारे में नहीं सोचते, हमें नहीं पता कि क्या यह परिभाषित करने का सबसे अच्छा तरीका है। हमें किसी चीज़ को सिर्फ़ इसलिए स्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि वह प्रसिद्ध है, सिर्फ़ इसलिए कि हर कोई उसे स्वीकार करता है।

योलान्डा: मैडम, क्या मैं कुछ सुझाव दे सकती हूँ? हमें किसी परिभाषा की तलाश करने की ज़रूरत नहीं है। मैंने कहीं पढ़ा था कि लोकतंत्र शब्द ग्रीक शब्द 'डेमोक्रेटिया' से आया है। ग्रीक में 'डेमोस' का मतलब जनता और 'क्रेटिया' का मतलब शासन होता है। तो लोकतंत्र का मतलब है जनता द्वारा शासन। यही सही अर्थ है।

बहस की क्या ज़रूरत है?

लिंगदोह मैडम: इस मामले में सोचने का यह भी एक बहुत ही मददगार तरीका है। मैं बस इतना कहूँगी कि यह हमेशा काम नहीं करता। कोई भी शब्द अपने मूल से बंधा नहीं रहता। कंप्यूटर के बारे में सोचिए।

मूलतः इनका उपयोग कंप्यूटिंग, अर्थात् बहुत कठिन गणितीय योगों की गणना करने के लिए किया जाता था।

ये बहुत शक्तिशाली कैलकुलेटर थे। लेकिन आजकल बहुत कम लोग कंप्यूटर का इस्तेमाल हिसाब-किताब करने के लिए करते हैं। वे इसका इस्तेमाल लिखने, डिज़ाइन बनाने, संगीत सुनने और फ़िल्में देखने के लिए करते हैं। शब्द तो वही रहते हैं, लेकिन समय के साथ उनके अर्थ बदल सकते हैं। ऐसे में किसी शब्द की उत्पत्ति पर गौर करना ज़्यादा उपयोगी नहीं होता।

मेरी: मैडम, तो असल में आप यही कह रही हैं कि इस विषय पर खुद सोचने का कोई शॉर्टकट नहीं है। हमें इसके अर्थ पर सोचना होगा और एक परिभाषा बनानी होगी।

लिंगदोह मैडम: आपने सही समझा। चलिए, अब शुरू करते हैं।



### गतिविधि

आइए लिंगदोह मैडम की बात को गंभीरता से लें और उन कुछ सरल शब्दों की सटीक परिभाषा लिखने की कोशिश करें जिनका हम अक्सर इस्तेमाल करते हैं: कलम, बारिश और प्यार। उदाहरण के लिए, क्या कलम को परिभाषित करने का कोई ऐसा तरीका है जो उसे पेंसिल, ब्रश, चॉक या क्रेयॉन से स्पष्ट रूप से अलग कर सके?

इस प्रयास से आपने क्या सीखा?

लोकतंत्र का अर्थ समझने के बारे में यह हमें क्या सिखाता है?



मैंने एक अलग संस्करण सुना है।

लोकतंत्र लोगों से दूर है, लोगों से दूर है और जहाँ वे लोगों को खरीदते हैं।

हम इसे स्वीकार क्यों नहीं करते?

### एक सरल परिभाषा

आइए हम सरकारों के बीच समानताओं और अंतरों पर अपनी चर्चा पर वापस लौटें जिन्हें सरकार कहा जाता है।

लोकतंत्र। सभी लोकतंत्रों में एक साधारण बात समान है: सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है।

इस प्रकार हम एक सरल परिभाषा से शुरुआत कर सकते हैं: लोकतंत्र सरकार का एक रूप है जिसमें शासक जनता द्वारा चुने जाते हैं।

यह एक उपयोगी शुरुआत है। यह परिभाषा हमें लोकतंत्र को उन शासन-प्रणालियों से अलग करने की अनुमति देती है जो स्पष्ट रूप से लोकतांत्रिक नहीं हैं। म्यांमार के सैन्य शासक जनता द्वारा नहीं चुने गए थे। जो लोग सेना के नियंत्रण में थे, वे देश के शासक बन गए।

क्योंकि वे राजसी परिवार में पैदा हुए हैं।

यह सरल परिभाषा पर्याप्त नहीं है। यह हमें याद दिलाती है कि लोकतंत्र जनता का शासन है। लेकिन अगर हम इस परिभाषा का बिना सोचे-समझे इस्तेमाल करेंगे, तो हम लगभग हर उस सरकार को लोकतंत्र कहने लगेंगे जो चुनाव कराती है। यह बहुत भ्रामक होगा। जैसा कि हम अध्याय 3 में जानेंगे, समकालीन दुनिया की हर सरकार खुद को लोकतंत्र कहलाना चाहती है, भले ही वह लोकतांत्रिक न हो। इसलिए हमें एक ऐसी सरकार के बीच सावधानीपूर्वक अंतर करने की जरूरत है जो लोकतांत्रिक है और एक ऐसी सरकार जो लोकतांत्रिक होने का दिखावा करती है। हम इस परिभाषा के प्रत्येक शब्द को ध्यान से समझकर और एक लोकतांत्रिक सरकार की विशेषताओं को स्पष्ट करके ऐसा कर सकते हैं।

इस निर्णय में लोगों की कोई भूमिका नहीं थी।

पिनोशे (चिली) जैसे तानाशाह जनता द्वारा नहीं चुने जाते। यह बात राजशाही पर भी लागू होती है। सऊदी अरब के राजा इसलिए शासन नहीं करते क्योंकि जनता ने उन्हें ऐसा करने के लिए चुना है, बल्कि इसलिए करते हैं क्योंकि

सरकार।

जाँच करना  
आपका  
प्रगति



रिबियांग घर वापस गई और लोकतंत्र पर कुछ और प्रसिद्ध उद्धरण एकत्र किए। इस बार उन्होंने उन लोगों के नाम नहीं लिए जिन्होंने ये उद्धरण कहे या लिखे। वह चाहती है कि आप इन्हें पढ़ें और टिप्पणी करें कि ये विचार कितने अच्छे या उपयोगी हैं: < लोकतंत्र हर व्यक्ति को अपना उत्पीड़क होने का अधिकार देता है।

- < लोकतंत्र में आप अपने तानाशाह चुनते हैं, जब वे आपको बता देते हैं कि आप क्या चाहते हैं सुनने के लिए।
- < न्याय के लिए मनुष्य की क्षमता लोकतंत्र को संभव बनाती है, लेकिन अन्याय के लिए मनुष्य की प्रवृत्ति लोकतंत्र को आवश्यक बनाती है
- < लोकतंत्र एक ऐसा उपकरण है जो यह सुनिश्चित करता है कि हम पर उससे बेहतर शासन नहीं किया जाएगा जिसके हम हकदार हैं।
- < लोकतंत्र की सभी बुराइयों को अधिक लोकतंत्र द्वारा ठीक किया जा सकता है।

कार्टून  
पढ़ें

यह कार्टून उस समय बनाया गया था जब इराक में अमेरिका और अन्य विदेशी ताकतों की मौजूदगी में चुनाव हो रहे थे। आपको क्या लगता है, यह कार्टून क्या कह रहा है? 'लोकतंत्र' को इस तरह क्यों लिखा गया है?



©स्टीफेन पेरे, थाईलैंड, कैगल कार्टून्स इंक.

लोकतंत्र क्या है ? लोकतंत्र क्यों ?

## 1.2 लोकतंत्र की विशेषताएँ

हमने एक सरल परिभाषा से शुरुआत की है कि लोकतंत्र एक ऐसी शासन व्यवस्था है जिसमें शासक जनता द्वारा चुने जाते हैं। इससे कई सवाल उठते हैं: इस परिभाषा में शासक कौन हैं? किसी भी सरकार को लोकतंत्र कहलाने के लिए किन पदाधिकारियों का निर्वाचित होना ज़रूरी है? लोकतंत्र में कौन से निर्णय गैर-निर्वाचित पदाधिकारी ले सकते हैं?

लोकतंत्र में क्या चाहिए? या क्या एक लोकतांत्रिक सरकार को कुछ सीमाओं के साथ काम करना चाहिए? क्या लोकतंत्र के लिए नागरिकों के कुछ अधिकारों का सम्मान करना ज़रूरी है?

आइये हम इनमें से प्रत्येक प्रश्न पर कुछ उदाहरणों की सहायता से विचार करें।

निर्वाचित नेताओं द्वारा लिए गए प्रमुख निर्णय पाकिस्तान में, जनरल परवेज़ मुशर्रफ़ ने अक्टूबर

किस तरह के चुनाव को लोकतांत्रिक चुनाव माना जाता है? किसी चुनाव को लोकतांत्रिक माने जाने के लिए कौन सी शर्तें पूरी होनी चाहिए?

1999 में एक सैन्य तख्तापलट का नेतृत्व किया। उन्होंने एक लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंका और खुद को देश का 'मुख्य कार्यकारी' घोषित कर दिया। बाद में उन्होंने अपना पद बदलकर राष्ट्रपति कर लिया और 2002 में देश में एक जनमत संग्रह कराया जिससे उन्हें पाँच साल का कार्यकाल विस्तार मिला। पाकिस्तानी मीडिया, मानवाधिकार संगठनों और लोकतंत्र

कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह जनमत संग्रह इस आधार पर था कि

वे लोग कौन हैं जो शासकों का चुनाव कर सकते हैं या शासक के रूप में निर्वाचित हो सकते हैं?

क्या इसमें हर नागरिक को समान आधार पर शामिल किया जाना चाहिए? क्या कोई लोकतंत्र कुछ नागरिकों को इस अधिकार से वंचित कर सकता है?

अंत में, लोकतंत्र किस प्रकार की शासन प्रणाली है? क्या निर्वाचित शासक अपनी इच्छानुसार कुछ भी कर सकते हैं?



कार्टून  
पढ़ें

सीरिया एक छोटा सा पश्चिम एशियाई देश है। सत्तारूढ़ बाथ पार्टी और उसके कुछ छोटे सहयोगी ही उस देश में मौजूद हैं। क्या आपको लगता है कि यह कार्टून चीन या मेक्सिको पर भी लागू हो सकता है? पत्तों का मुकुट क्या दर्शाता है?

लोकतंत्र पर इसका क्या प्रभाव है?

©इमाद हज्जाज, जॉर्डन, कैगल कार्टून्स इंक. 7 जून 2005



यह कार्टून लैटिन अमेरिका के संदर्भ में बनाया गया था। क्या आपको लगता है कि यह पाकिस्तान की स्थिति पर भी लागू होता है? उन अन्य देशों के बारे में सोचें जहाँ यह लागू हो सकता है?

क्या हमारे देश में भी कभी-कभी ऐसा होता है?



कदाचार और धोखाधड़ी। अगस्त 2002 में उन्होंने एक 'कानूनी ढाँचा आदेश' जारी किया जिसने पाकिस्तान के संविधान में संशोधन किया। इस आदेश के अनुसार, राष्ट्रपति राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभाओं को बर्खास्त कर सकते हैं।

नागरिक मंत्रिमंडल के कार्यों की देखरेख एक राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद द्वारा की जाती है, जिसमें सैन्य अधिकारियों का प्रभुत्व होता है। इस कानून के पारित होने के बाद, राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव हुए। इस प्रकार पाकिस्तान में चुनाव हुए, निर्वाचित प्रतिनिधियों के पास कुछ शक्तियाँ थीं। लेकिन अंतिम शक्ति सैन्य अधिकारियों और स्वयं जनरल मुशर्रफ के पास थी।



ये सब मेरे लिए बहुत दूर की बात है।

क्या लोकतंत्र सिर्फ

शासकों और सरकारों के बारे में है? क्या हम एक

लोकतांत्रिक कक्षा की बात कर सकते हैं? या एक लोकतांत्रिक परिवार की?

स्पष्ट रूप से, जनरल मुशर्रफ के शासनकाल में पाकिस्तान को लोकतंत्र क्यों नहीं कहा जाना चाहिए, इसके कई कारण हैं। लेकिन आइए इनमें से एक पर ध्यान केंद्रित करें। क्या हम कह सकते हैं कि पाकिस्तान में शासक जनता द्वारा चुने जाते हैं? बिल्कुल नहीं। जनता ने राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभाओं के लिए अपने प्रतिनिधि चुने होंगे, लेकिन वे चुने हुए प्रतिनिधि वास्तव में लोकतांत्रिक नहीं थे।

लोकतंत्र क्या है ? लोकतंत्र क्यों ?

शासक। वे अंतिम निर्णय नहीं ले सकते। अंतिम निर्णय लेने का अधिकार सेना के अधिकारियों और जनरल मुशर्रफ के पास था, और उनमें से कोई भी जनता द्वारा निर्वाचित नहीं था। ऐसा कई तानाशाही और राजशाही में होता है। औपचारिक रूप से तो उनके पास एक निर्वाचित संसद और सरकार होती है, लेकिन असली शक्ति उन लोगों के पास होती है जो निर्वाचित नहीं होते।

कुछ देशों में, वास्तविक सत्ता स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधियों के पास न होकर कुछ बाहरी शक्तियों के पास थी। इसे जनता का शासन नहीं कहा जा सकता।

इससे हमें पहली विशेषता समझ आती है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय लेने की शक्ति जनता द्वारा चुने गए लोगों के पास होनी चाहिए।

**स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावी प्रतिस्पर्धा** चीन में, देश की संसद को चुनने के लिए हर पांच साल के बाद नियमित

रूप से चुनाव होते हैं, जिसे क्वांग्गुओ रेनमिन दार्डबियाओ दहुई (नेशनल पीपुल्स कांग्रेस) कहा जाता है।

नेशनल पीपुल्स कांग्रेस को देश के राष्ट्रपति की नियुक्ति का अधिकार है। इसके लगभग 3,000 सदस्य पूरे चीन से चुने जाते हैं। कुछ सदस्यों का चुनाव सेना द्वारा किया जाता है। चुनाव लड़ने से पहले, किसी उम्मीदवार को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की मंजूरी लेनी होती है। केवल चीनी कम्युनिस्ट पार्टी या उससे संबद्ध आठ छोटी पार्टियों के सदस्यों को ही चुनाव लड़ने की अनुमति थी।

2002-03. सरकार हमेशा कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा बनाई जाती है।

1930 में अपनी आज़ादी के बाद से, मेक्सिको में हर छह साल में राष्ट्रपति चुनने के लिए चुनाव होते हैं। देश में कभी भी सैन्य या तानाशाही शासन नहीं रहा। लेकिन 2000 तक हर चुनाव में एक राष्ट्रपति ही जीतता था।



पीआरआई (संस्थागत क्रांतिकारी पार्टी) नामक एक पार्टी। विपक्षी दल चुनाव तो लड़ते थे, लेकिन कभी जीत नहीं पाते थे। पीआरआई चुनाव जीतने के लिए कई गंदी चालें चलने के लिए जानी जाती थी। सरकारी दफ्तरों में काम करने वाले सभी लोगों को इसकी पार्टी की बैठकों में शामिल होना पड़ता था।

सरकारी स्कूलों के शिक्षक अभिभावकों पर पंचायती राज संस्थाओं को वोट देने का दबाव डालते थे। मीडिया विपक्षी राजनीतिक दलों की गतिविधियों को केवल आलोचना के अलावा ज़्यादातर नज़रअंदाज़ करता था।

कभी-कभी मतदान केन्द्रों को अंतिम समय में एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कर दिया जाता था, जिससे लोगों को वोट डालने में कठिनाई होती थी।

पीआरआई ने अपने उम्मीदवारों के प्रचार में बड़ी राशि खर्च की।

क्या हमें ऊपर बताए गए चुनावों को जनता द्वारा अपने शासकों के चुनाव का उदाहरण मानना चाहिए? इन उदाहरणों को पढ़कर हमें लगता है कि हम ऐसा नहीं कर सकते। यहाँ कई समस्याएँ हैं। चीन में चुनाव जनता को कोई गंभीर विकल्प नहीं देते।

उन्हें सत्तारूढ़ पार्टी और उसके द्वारा अनुमोदित उम्मीदवारों का चयन करना होगा।

क्या हम इसे चुनाव कह सकते हैं? मेक्सिको के उदाहरण में, लोगों के पास वास्तव में एक विकल्प था, लेकिन व्यवहार में उनके पास कोई विकल्प नहीं था। सत्तारूढ़ दल को हराना असंभव था, भले ही लोग उसके खिलाफ हों। ये निष्पक्ष चुनाव नहीं हैं।

इस प्रकार हम लोकतंत्र की अपनी समझ में एक दूसरी विशेषता जोड़ सकते हैं।

किसी भी प्रकार का चुनाव कराना पर्याप्त नहीं है। चुनावों में राजनीतिक विकल्पों के बीच एक वास्तविक विकल्प उपलब्ध होना चाहिए। और लोगों के लिए, यदि वे चाहें, तो इस विकल्प का उपयोग करके मौजूदा शासकों को हटाने में सक्षम होना चाहिए। इसलिए, लोकतंत्र एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव पर आधारित होना चाहिए जहाँ वर्तमान में सत्ता में बैठे लोगों के हारने की उचित संभावना हो। हम अध्याय 3 में लोकतांत्रिक चुनाव के बारे में और जानेंगे।



एक व्यक्ति, एक व्यक्ति, एक वोट, एक मूल्य एक मूल्य एक मूल्य इससे

पहले, हमने पढ़ा कि कैसे

लोकतंत्र के लिए संघर्ष सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की मांग से जुड़ा हुआ था।

यह सिद्धांत अब लगभग पूरी दुनिया में स्वीकार कर लिया गया है। फिर भी, मतदान के समान अधिकार से वंचित करने के कई उदाहरण हैं।

2015 तक सऊदी अरब में महिलाओं को वोट देने का अधिकार नहीं था।

एस्टोनिया ने अपने नागरिकता नियम इस तरह से बनाये हैं कि रूसी अल्पसंख्यक लोगों को वोट देने का अधिकार मिलना मुश्किल है।

फिजी में चुनाव प्रणाली ऐसी है कि एक स्वदेशी फिजी के वोट का मूल्य एक भारतीय-फिजी के वोट से अधिक होता है।

लोकतंत्र राजनीतिक समानता के मूलभूत सिद्धांत पर आधारित है। इससे हमें लोकतंत्र की तीसरी विशेषता मिलती है: लोकतंत्र में, प्रत्येक वयस्क नागरिक के पास एक वोट होना चाहिए और प्रत्येक वोट का एक मूल्य होना चाहिए। हम इसके बारे में अध्याय 3 में विस्तार से पढ़ेंगे।

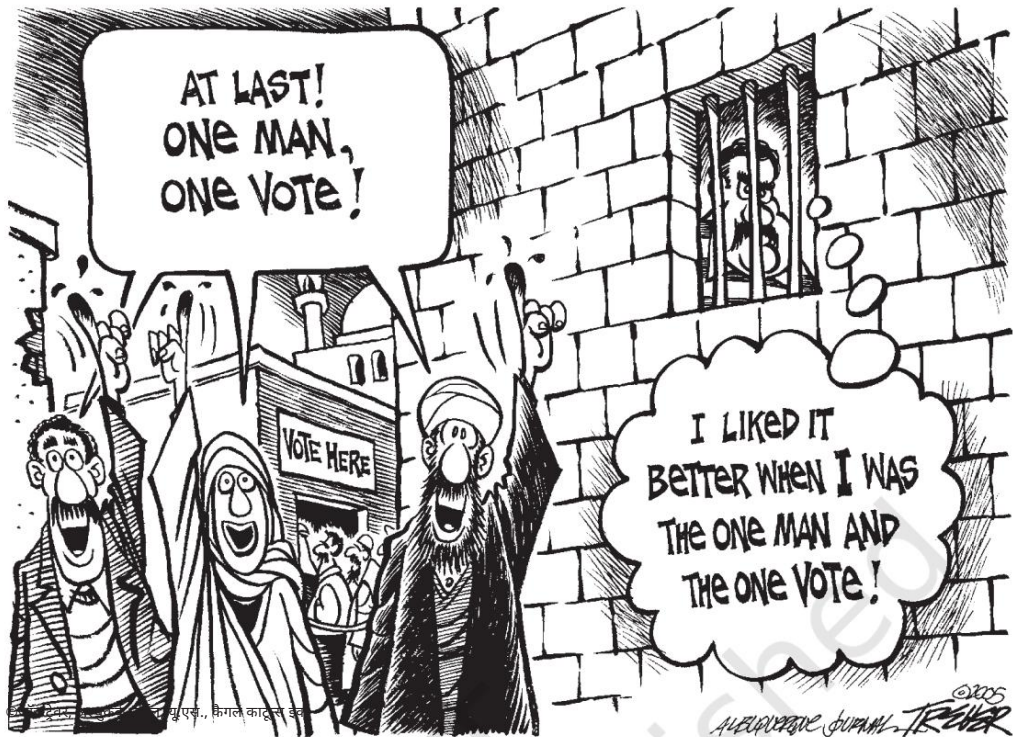


इस कार्टून का शीर्षक था 'लोकतंत्र का निर्माण' और यह पहली बार एक लैटिन अमेरिकी प्रकाशन में प्रकाशित हुआ था। यहाँ धनकुबेरों का क्या मतलब है? क्या यह कार्टून भारत पर भी लागू हो सकता है?

## कार्टून पढ़ें

यह कार्टून सद्दाम हुसैन की सत्ता के पतन के बाद हुए इराक़ी चुनावों पर आधारित है। उन्हें सलाखों के पीछे दिखाया गया है। यह कार्टून क्या है?

कार्टूनिस्ट यहाँ क्या कह रहा है? इस कार्टून के संदेश की तुलना इस अध्याय के पहले कार्टून से करें।



काबूल में शासन और संसदीयता जिम्बाब्वे ने 1980 में श्वेत अल्पसंख्यक शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की।

सरकार ने उन पत्रकारों को परेशान किया जो उसके खिलाफ गए। सरकार ने अपने खिलाफ गए कुछ अदालती फैसलों को नजरअंदाज किया और जजों पर दबाव डाला। उन्हें 2017 में पद से हटा दिया गया था।

तब से देश पर ZANU-PF का शासन है, जो स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व करने वाली पार्टी है। इसके नेता, रॉबर्ट मुगाबे, स्वतंत्रता के बाद से देश पर शासन कर रहे थे। चुनाव नियमित रूप से होते थे और हमेशा ZANU-PF की जीत होती थी। राष्ट्रपति मुगाबे लोकप्रिय थे, लेकिन उन्होंने चुनावों में अनुचित व्यवहार भी किया। वर्षों से उनकी सरकार ने राष्ट्रपति की शक्तियों को बढ़ाने और उन्हें कम जवाबदेह बनाने के लिए कई बार संविधान में बदलाव किए। विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं को परेशान किया गया और उनकी बैठकों में बाधा डाली गई। सरकार के खिलाफ सार्वजनिक विरोध और प्रदर्शनों को अवैध घोषित कर दिया गया।

ज़िम्बाब्वे का उदाहरण दर्शाता है कि लोकतंत्र में शासकों की लोकप्रिय स्वीकृति आवश्यक है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। लोकप्रिय सरकारें अलोकतांत्रिक हो सकती हैं। लोकप्रिय नेता निरंकुश हो सकते हैं। यदि हम किसी लोकतंत्र का मूल्यांकन करना चाहते हैं, तो चुनावों को देखना ज़रूरी है। लेकिन चुनावों से पहले और बाद में देखना भी उतना ही ज़रूरी है। चुनावों से पहले की अवधि में राजनीतिक विरोध सहित सामान्य राजनीतिक गतिविधियों के लिए पर्याप्त जगह होनी चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि राज्य नागरिकों के कुछ बुनियादी अधिकारों का सम्मान करे। उन्हें सोचने, राय रखने, सार्वजनिक रूप से उन्हें व्यक्त करने, संगठन बनाने, विरोध करने और अन्य राजनीतिक कदम उठाने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। कानून की नज़र में सभी समान होने चाहिए। इन अधिकारों की रक्षा एक स्वतंत्र

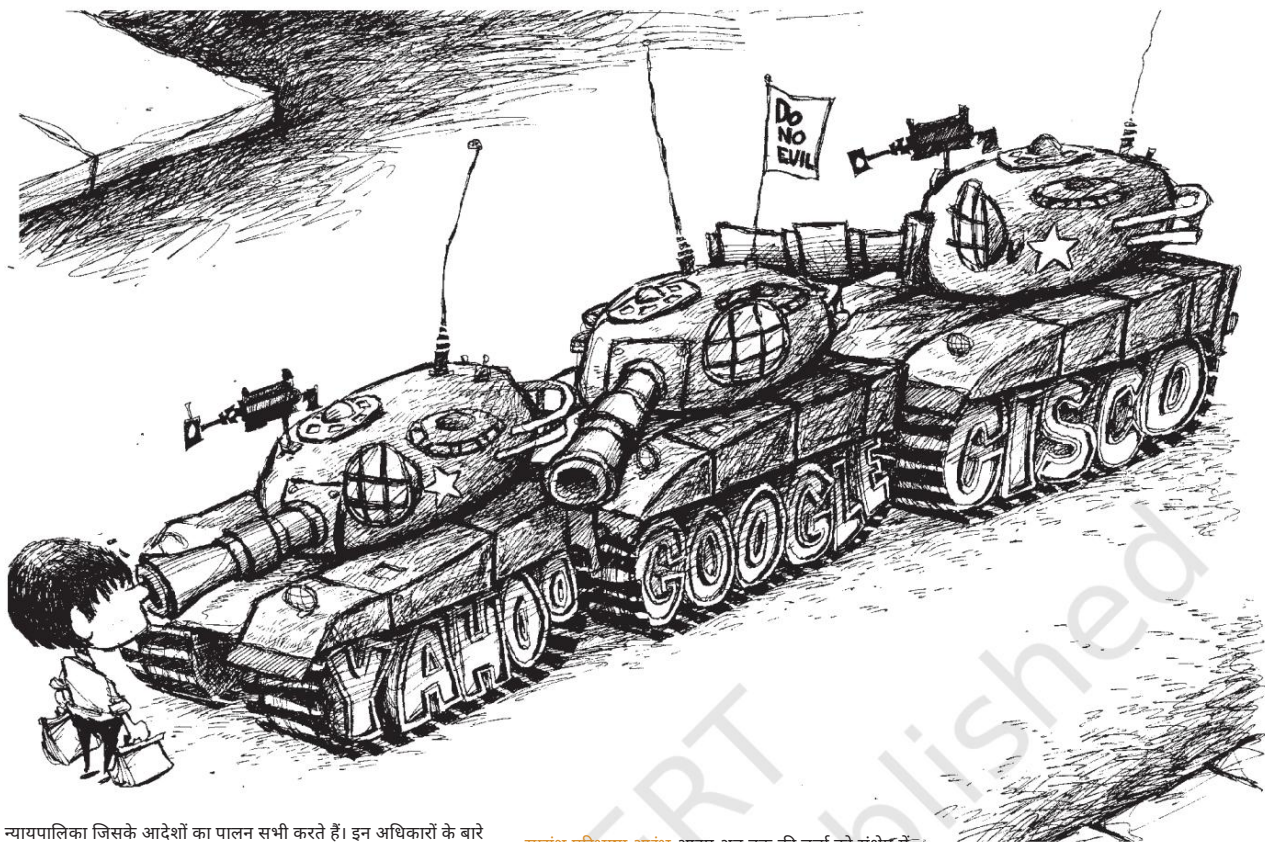


ज़िम्बाब्वे की बात ही क्यों? मैंने अपने देश के कई हिस्सों से ऐसी ही खबरें पढ़ी हैं। हम उस पर चर्चा क्यों नहीं करते?

एक ऐसा कानून था जो राष्ट्रपति की आलोचना के अधिकार को सीमित करता था। टेलीविजन और रेडियो पर सरकार का नियंत्रण था और वे केवल सत्तारूढ़ दल का ही संस्करण प्रसारित करते थे। स्वतंत्र समाचार पत्र भी थे, लेकिन

लोकतंत्र क्या है ? लोकतंत्र क्यों ?





©एरिक एली, पायनियर प्रेस, यू.एस.

न्यायपालिका जिसके आदेशों का पालन सभी करते हैं। इन अधिकारों के बारे में हम अध्याय 5 में विस्तार से पढ़ेंगे।

इसी प्रकार, चुनावों के बाद सरकार चलाने के तरीके पर भी कुछ शर्तें लागू होती हैं। एक लोकतांत्रिक सरकार सिर्फ चुनाव जीतने के कारण अपनी मनमानी नहीं कर सकती। उसे कुछ बुनियादी नियमों का पालन करना होता है। खास तौर पर उसे अल्पसंख्यकों को दी गई कुछ गारंटियों का सम्मान करना होता है। हर बड़े फैसले के लिए कई तरह के परामशों की जरूरत होती है। हर पदाधिकारी को संविधान और कानून द्वारा कुछ अधिकार और ज़िम्मेदारियाँ दी जाती हैं। इनमें से हर एक न सिर्फ जनता के प्रति, बल्कि अन्य स्वतंत्र अधिकारियों के प्रति भी जवाबदेह होता है। हम इसके बारे में अध्याय 4 में और पढ़ेंगे।

ये दोनों पहलू हमें लोकतंत्र की चौथी और अंतिम विशेषता बताते हैं: एक लोकतांत्रिक सरकार संवैधानिक कानून और नागरिक अधिकारों द्वारा निर्धारित सीमाओं के भीतर शासन करती है।

सारांश परिभाषा आरंभ आइए अब तक की चर्चा को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

हमने एक सरल परिभाषा से शुरुआत की: लोकतंत्र एक ऐसी शासन व्यवस्था है जिसमें शासक जनता द्वारा चुने जाते हैं। हमने पाया कि यह परिभाषा तब तक पर्याप्त नहीं थी जब तक कि हम इसमें प्रयुक्त कुछ प्रमुख शब्दों की व्याख्या न करें। उदाहरणों की एक श्रृंखला के माध्यम से हमने एक शासन व्यवस्था के रूप में लोकतंत्र की चार विशेषताएँ समझीं। तदनुसार, लोकतंत्र एक ऐसी शासन व्यवस्था है जिसमें:

जनता द्वारा चुने गए शासक सभी प्रमुख निर्णय लेते हैं; चुनाव जनता को वर्तमान शासकों को बदलने के लिए एक विकल्प और उचित अवसर प्रदान करते हैं; यह विकल्प और अवसर सभी लोगों को समान आधार पर उपलब्ध होता है; और इस विकल्प के प्रयोग से संविधान के मूल नियमों और नागरिकों के अधिकारों द्वारा सीमित सरकार का गठन होता है।

कार्टून  
पढ़ें

चीनी सरकार ने 'गूगल' और 'याहू' जैसी लोकप्रिय वेबसाइटों पर प्रतिबंध लगाकर इंटरनेट पर सूचना के मुक्त प्रवाह को अवरुद्ध कर दिया। टैंकों और एक निहत्थे छात्र की यह तस्वीर पाठकों को हाल के चीनी इतिहास की एक और बड़ी घटना की याद दिलाती है। उस घटना के बारे में जानें।





लोकतंत्र के काम करने या न होने के इन पाँच उदाहरणों को पढ़ें। इनमें से प्रत्येक का मिलान ऊपर चर्चा की गई लोकतंत्र की प्रासंगिक विशेषता से करें।

उदाहरणार्थ,

विशेषता

भूटान के राजा ने घोषणा की है कि भविष्य में वे निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा दी गई सलाह से मार्गदर्शन लेंगे।

कानून का शासन

भारत से आये कई तमिल श्रमिकों को श्रीलंका में वोट देने का अधिकार नहीं दिया गया।

अधिकारों का सम्मान

राजा ने राजनीतिक सभाओं, प्रदर्शनों और रैलियों पर प्रतिबंध लगा दिया।

एक व्यक्ति एक वोट एक मूल्य

भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि बिहार विधानसभा को भंग करना असंवैधानिक था।

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावी प्रतिस्पर्धा

बांग्लादेश में राजनीतिक दल इस बात पर सहमत हो गए हैं कि चुनाव के समय देश में एक तटस्थ सरकार का शासन होना चाहिए।

निर्वाचित नेताओं द्वारा लिए गए प्रमुख निर्णय

## 1.3 लोकतंत्र क्यों?

मैडम लिंगदोह की कक्षा में बहस छिड़ गई। उन्होंने लोकतंत्र क्या है, इस विषय पर पिछला खंड पढ़ाना समाप्त कर दिया था और छात्रों से पूछा कि क्या उन्हें लगता है कि लोकतंत्र शासन का सर्वोत्तम रूप है।

जेनी: जो भी हो, इससे क्या फर्क पड़ता है?

मुद्रा यह है कि यह शासन का सर्वोत्तम रूप नहीं हो सकता। लोकतंत्र का मतलब अराजकता, अस्थिरता, भ्रष्टाचार और पाखंड है। राजनेता आपस में लड़ते हैं। देश की परवाह कौन करता है?

हर किसी के पास कहने के लिए कुछ न कुछ था।

पोइमन: तो, इसके बजाय हमें क्या चाहिए? ब्रिटिश राज में वापस चले जाएँ? कुछ राजाओं को इस देश पर राज करने के लिए बुलाएँ?

लोकतंत्र के गुणों पर बहस योलान्डा: हम एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं। दुनिया भर में

लोग लोकतंत्र चाहते हैं। जो देश पहले लोकतांत्रिक नहीं थे, वे अब लोकतांत्रिक हो रहे हैं। सभी महान लोगों ने लोकतंत्र के बारे में अच्छी बातें कही हैं। क्या यह स्पष्ट नहीं है कि लोकतंत्र ही सर्वश्रेष्ठ है? क्या हमें इस पर बहस करने की ज़रूरत है?

रोज़: मुझे नहीं पता। मुझे लगता है कि इस देश को एक मज़बूत नेता की ज़रूरत है, जिसे चुनावों और संसद की चिंता न करनी पड़े। एक नेता के पास सारी शक्तियाँ होनी चाहिए। वह देशहित में जो भी ज़रूरी हो, वह कर सके। तभी इस देश से भ्रष्टाचार और गरीबी दूर हो सकती है।



मैं लिंगदोह मैडम की कक्षा

में रहना चाहता हूँ! लगता है ये एक लोकतांत्रिक कक्षा है।

क्या ऐसा नहीं है?

तांगकिनी: लेकिन लिंगदोह मैडम ने कहा था कि हमें किसी चीज़ को सिर्फ़ इसलिए नहीं स्वीकार करना चाहिए क्योंकि वह मशहूर है, सिर्फ़ इसलिए कि सब उसे स्वीकार करते हैं। क्या यह संभव नहीं कि हर कोई गलत रास्ते पर चल रहा हो?

जेनी: हाँ, ये वाकई गलत रास्ता है। लोकतंत्र हमारे देश में क्या लाया है? सात दशक हो गए लोकतंत्र के और देश में इतनी गरीबी है।

रिबियांग: लेकिन लोकतंत्र का इससे क्या लेना-देना है? क्या हमारे यहाँ गरीबी इसलिए है क्योंकि हम लोकतांत्रिक हैं या फिर लोकतंत्र होने के बावजूद गरीबी है?

किसी ने चिल्लाकर कहा: इसे तानाशाही कहते हैं!

होई: अगर वह व्यक्ति इन सारी शक्तियों का इस्तेमाल अपने और अपने परिवार के लिए करने लगे तो क्या होगा? अगर वह खुद भ्रष्ट हो जाए तो क्या होगा?

रोज़: मैं केवल ईमानदार, निष्ठावान और मजबूत नेता की बात कर रही हूँ।

होई: लेकिन यह उचित नहीं है। आप असली लोकतंत्र की तुलना आदर्श तानाशाही से कर रहे हैं।

हमें आदर्श की तुलना आदर्श से, यथार्थ की तुलना यथार्थ से करनी चाहिए। जाकर वास्तविक जीवन के तानाशाहों का रिकॉर्ड देखिए। वे सबसे भ्रष्ट, स्वार्थी और क्रूर होते हैं। बस हमें इसका पता ही नहीं चलता। और इससे भी बुरी बात यह है कि आप उनसे छुटकारा भी नहीं पा सकते।

लोकतंत्र क्या है ? लोकतंत्र क्यों ?

मैडम लिंगदोह इस चर्चा को ध्यान से सुन रही थीं। अब उन्होंने बीच में आकर कहा: "आप सभी को इतने जोश से बहस करते देखकर मुझे बहुत खुशी हुई।"

मुझे नहीं पता कौन सही है और कौन गलत। यह आपको तय करना है।

लेकिन मुझे लगा कि आप सब अपनी बात कहना चाहते थे। अगर कोई आपको रोकने की कोशिश करता या आपको अपनी बात कहने के लिए सज़ा देता, तो आपको बहुत बुरा लगता। क्या आप एक ऐसे देश में ऐसा कर पाते जो लोकतांत्रिक नहीं है? क्या यह लोकतंत्र के लिए एक अच्छा तर्क है?"

## लोकतंत्र के विरुद्ध तर्क

इस बातचीत में लोकतंत्र के खिलाफ अक्सर सुनने को मिलने वाले ज़्यादातर तर्क शामिल हैं। आइए इनमें से कुछ तर्कों पर गौर करें: लोकतंत्र में नेता बदलते रहते हैं। इससे अस्थिरता पैदा होती है।

लोकतंत्र का मतलब सिर्फ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और सत्ता का खेल है। इसमें नैतिकता की कोई गुंजाइश नहीं है।

लोकतंत्र में इतने सारे लोगों से परामर्श करना पड़ता है कि इससे देरी हो जाती है।

निर्वाचित नेता जनता के सर्वोत्तम हित को नहीं जानते। इससे गलत निर्णय लिए जाते हैं।

लोकतंत्र भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है क्योंकि यह चुनावी प्रतिस्पर्धा पर आधारित है। आम लोग नहीं जानते कि उनके लिए क्या अच्छा है; उन्हें कोई भी निर्णय नहीं लेना चाहिए।

क्या लोकतंत्र के विरुद्ध आपके मन में कुछ और तर्क हैं? इनमें से कौन सा तर्क मुख्यतः लोकतंत्र पर लागू होता है? इनमें से कौन सा तर्क किसी भी प्रकार की सरकार के दुरुपयोग पर लागू हो सकता है? इनमें से आप किससे सहमत हैं?

स्पष्ट है कि लोकतंत्र सभी समस्याओं का जादुई समाधान नहीं है। इसने हमारे देश और दुनिया के अन्य हिस्सों में गरीबी का अंत नहीं किया है। एक शासन प्रणाली के रूप में लोकतंत्र केवल यह सुनिश्चित करता है कि

लोग अपने निर्णय स्वयं लेते हैं।

इससे यह गारंटी नहीं मिलती कि उनके फैसले सही होंगे। लोग गलतियाँ कर सकते हैं। इन फैसलों में लोगों को शामिल करने से

निर्णय लेने में देरी होती है। यह भी सच है कि लोकतंत्र नेतृत्व में बार-बार बदलाव लाता है।

कभी-कभी इससे बड़े निर्णय पीछे हो सकते हैं और सरकार की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है।

ये तर्क दर्शाते हैं कि जिस प्रकार का लोकतंत्र हम देख रहे हैं, वह शासन का आदर्श रूप नहीं हो सकता।

लेकिन असल ज़िंदगी में हम इस सवाल का सामना नहीं करते। असली सवाल जो हमारे सामने है वह अलग है: क्या लोकतंत्र उन दूसरे शासन-प्रणालियों से बेहतर है जिनमें से हम चुन सकते हैं?

## लोकतंत्र के लिए तर्क

चीन का 1958-1961 का अकाल विश्व इतिहास का सबसे भीषण अकाल था। इस अकाल में लगभग तीन करोड़ लोग मारे गए थे। उन दिनों भारत की आर्थिक स्थिति चीन से ज़्यादा अच्छी नहीं थी। फिर भी भारत में चीन जैसा अकाल नहीं पड़ा। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि

यह कार्टून ब्राज़ील का है, एक ऐसा देश जिसे तानाशाही का लंबा अनुभव है। इसका शीर्षक है, "तानाशाही का छिपा हुआ पहलू"।

यह कार्टून किस छिपे हुए पहलू को दर्शाता है? क्या हर तानाशाही का एक छिपा हुआ पहलू होना ज़रूरी है? हो सके तो चिली के पिनोशे, पोलैंड के जारुज़ेल्स्की, नाइजीरिया के सानी अबाचा और फिलीपींस के फर्डिनेंड मार्कोस जैसे तानाशाहों के बारे में पता लगाएँ।

कार्टून पढ़ें



©ओस्मानी सिमंका, ब्राज़ील, कैगल का

उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों की अलग-अलग सरकारी नीतियों का नतीजा था। भारत में लोकतंत्र होने के कारण, भारत सरकार ने खाद्यान्न संकट पर उस तरह से प्रतिक्रिया दी जो चीन सरकार ने नहीं की। वे बताते हैं कि किसी भी स्वतंत्र और लोकतांत्रिक देश में कभी भी बड़े पैमाने पर अकाल नहीं पड़ा है। अगर चीन में भी बहुदलीय चुनाव होते, एक विपक्षी दल होता और सरकार की आलोचना करने के लिए स्वतंत्र प्रेस होती, तो शायद अकाल में इतने लोग नहीं मरते।

यह उदाहरण इस बात का एक कारण बताता है कि लोकतंत्र को शासन का सर्वोत्तम रूप क्यों माना जाता है।

जनता की ज़रूरतों को पूरा करने में लोकतंत्र किसी भी अन्य शासन प्रणाली से बेहतर है। एक गैर-लोकतांत्रिक सरकार जनता की ज़रूरतों को पूरा कर सकती है, लेकिन यह सब शासन करने वाले लोगों की इच्छा पर निर्भर करता है। अगर शासक नहीं चाहते, तो उन्हें जनता की इच्छा के अनुसार काम करने की ज़रूरत नहीं है।

लोकतंत्र में शासकों को जनता की ज़रूरतों का ध्यान रखना ज़रूरी होता है। एक लोकतांत्रिक सरकार बेहतर होती है क्योंकि यह ज़्यादा जवाबदेह होती है।

एक और कारण है कि लोकतंत्र किसी भी गैर-लोकतांत्रिक सरकार की तुलना में बेहतर निर्णय लेने में सहायक होता है। लोकतंत्र परामर्श और चर्चा पर आधारित होता है। एक लोकतांत्रिक निर्णय हमेशा कई लोग, चर्चाएँ और बैठकें शामिल होती हैं। जब कई लोग मिलकर विचार-विमर्श करते हैं, तो वे किसी भी निर्णय में संभावित गलतियों को इंगित करने में सक्षम होते हैं। इसमें समय लगता है। लेकिन महत्वपूर्ण निर्णयों की तुलना में समय लेने का एक बड़ा लाभ यह है कि इससे जल्दबाजी या गैर-ज़िम्मेदाराना निर्णयों की संभावना कम हो जाती है। इस प्रकार लोकतंत्र निर्णय लेने की गुणवत्ता में सुधार करता है।



अगर भारत एक राष्ट्र नहीं होता तो क्या होता?

प्रजातंत्र?  
क्या हम एक राष्ट्र के रूप में एकजुट रह सकते थे?

लोकतंत्र क्या है ? लोकतंत्र क्यों ?

यह तीसरे तर्क से संबंधित है। लोकतंत्र मतभेदों और संघर्षों से निपटने का एक तरीका प्रदान करता है। किसी भी समाज में लोगों के विचारों और हितों में मतभेद होना स्वाभाविक है। ये मतभेद हमारे जैसे देश में विशेष रूप से तीव्र हैं, जहाँ सामाजिक विविधता अद्भुत है। लोग अलग-अलग क्षेत्रों से आते हैं, अलग-अलग भाषाएँ बोलते हैं, अलग-अलग धर्मों का पालन करते हैं और अलग-अलग जातियों के हैं। वे दुनिया को बहुत अलग नज़रिए से देखते हैं और उनकी प्राथमिकताएँ भी अलग-अलग होती हैं। एक समूह की प्राथमिकताएँ दूसरे समूहों की प्राथमिकताओं से टकरा सकती हैं। हम ऐसे संघर्ष का समाधान कैसे करें? इस संघर्ष का समाधान क्रूर शक्ति से किया जा सकता है। जो भी समूह अधिक शक्तिशाली होगा, वह अपनी शर्तें तय करेगा और दूसरों को उसे स्वीकार करना होगा। लेकिन इससे असंतोष और अप्रसन्नता पैदा होगी।

इस तरह से विभिन्न समूह लंबे समय तक एक साथ नहीं रह पाएंगे।

लोकतंत्र ही इस समस्या का एकमात्र शांतिपूर्ण समाधान है। लोकतंत्र में कोई भी स्थायी विजेता नहीं होता। कोई भी स्थायी रूप से पराजित नहीं होता।

विभिन्न समूह एक-दूसरे के साथ शांतिपूर्वक रह सकते हैं। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, लोकतंत्र हमारे देश को एकजुट रखता है।

ये तीनों तर्क सरकार और सामाजिक जीवन की गुणवत्ता पर लोकतंत्र के प्रभावों के बारे में थे।

लेकिन लोकतंत्र के पक्ष में सबसे मजबूत तर्क यह नहीं है कि लोकतंत्र सरकार के साथ क्या करता है।

यह इस बारे में है कि लोकतंत्र नागरिकों के लिए क्या करता है। भले ही लोकतंत्र बेहतर निर्णय और जवाबदेह सरकार न लाए, फिर भी यह अन्य प्रकार की सरकारों से बेहतर है। लोकतंत्र नागरिकों की गरिमा को बढ़ाता है। जैसा कि हमने ऊपर चर्चा की, लोकतंत्र राजनीतिक समानता के सिद्धांत पर आधारित है, इस मान्यता पर कि

सबसे गरीब और कम शिक्षित व्यक्ति की स्थिति अमीर और शिक्षित व्यक्ति के समान ही है। लोग किसी शासक की प्रजा नहीं, बल्कि स्वयं शासक हैं। यहाँ तक कि जब वे गलतियाँ भी करते हैं, तो अपने आचरण के लिए वे स्वयं ज़िम्मेदार होते हैं।

अंततः, लोकतंत्र अन्य शासन-प्रणालियों से बेहतर है क्योंकि यह हमें अपनी गलतियों को सुधारने का अवसर देता है। जैसा कि हमने ऊपर देखा, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि लोकतंत्र में गलतियाँ नहीं होंगी। कोई भी शासन-प्रणाली इसकी गारंटी नहीं दे सकती। लोकतंत्र का लाभ यह है कि ऐसी गलतियाँ लंबे समय तक छिपी नहीं रह सकती। इन गलतियों पर सार्वजनिक चर्चा की गुंजाइश होती है। और सुधार की भी गुंजाइश होती है।

शासकों को अपने फैसले बदलने पड़ते हैं, या शासकों को बदला जा सकता है। गैर-लोकतांत्रिक सरकार में ऐसा नहीं हो सकता।

आइए संक्षेप में कहें। लोकतंत्र हमें सब कुछ नहीं दिला सकता और यह सभी समस्याओं का समाधान नहीं है। लेकिन यह हमारे द्वारा ज्ञात किसी भी अन्य विकल्प से स्पष्ट रूप से बेहतर है। यह अच्छे निर्णय लेने के बेहतर अवसर प्रदान करता है, लोगों की इच्छाओं का सम्मान करता है और विभिन्न प्रकार के लोगों को एक साथ रहने की अनुमति देता है। भले ही यह इनमें से कुछ कार्य करने में विफल हो, यह अपनी गलतियों को सुधारने का एक तरीका प्रदान करता है और सभी नागरिकों को अधिक सम्मान प्रदान करता है। इसीलिए लोकतंत्र को लोकतंत्र का सर्वोत्तम रूप माना जाता है।

यह कार्टून कनाडा में 2004

के संसदीय चुनावों से ठीक पहले प्रकाशित हुआ था।

कार्टूनिस्ट समेत सभी को उम्मीद थी कि लिबरल पार्टी

एक बार फिर जीतेगी। जब

नतीजे आए, तो लिबरल

पार्टी चुनाव हार गई। क्या

यह कार्टून लोकतंत्र के

खिलाफ है या लोकतंत्र के पक्ष में?

सरकार।



कार्टून  
पढ़ें

©कैम कार्डो, द ओटावा सिरिजन, कनाडा, कैमल कार्टूनस इंक. 30 मई 2004.

राजेश और मुज़फ़्फ़र ने एक लेख पढ़ा। उसमें बताया गया था कि कोई भी लोकतंत्र कभी किसी दूसरे लोकतंत्र से युद्ध नहीं करता। युद्ध तभी होते हैं जब दोनों में से एक सरकार अलोकतांत्रिक हो। लेख में कहा गया था कि यह लोकतंत्र का एक बड़ा गुण है। निबंध पढ़ने के बाद, राजेश और मुज़फ़्फ़र की प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग थीं। राजेश ने कहा कि यह लोकतंत्र के पक्ष में कोई अच्छा तर्क नहीं है। यह बस संयोग की बात है।

यह संभव है कि भविष्य में लोकतंत्रों में युद्ध हों। मुज़फ़्फ़र ने कहा कि यह संयोग की बात नहीं हो सकती। लोकतंत्र ऐसे फैसले लेते हैं जिससे युद्ध की संभावना कम हो जाती है। आप इन दोनों में से किस बात से सहमत हैं और क्यों?

जाँच करना  
आपका  
प्रगति





आर.के. लक्ष्मण का यह प्रसिद्ध

कार्टून आज़ादी के पचास  
साल पूरे होने के जश्न पर  
टिप्पणी करता है। दीवार पर  
लगी कितनी तस्वीरें  
आपको पहचान में आती हैं?

क्या कई आम लोग भी इस  
कार्टून में दिखाए गए आम आदमी  
की तरह महसूस करते हैं?

को  
पढ़िए  
कार्टून

## 1.4 लोकतंत्र के व्यापक अर्थ

इस अध्याय में हमने लोकतंत्र के अर्थ को सीमित और वर्णनात्मक अर्थ में समझा है। हमने लोकतंत्र को एक शासन-प्रणाली के रूप में समझा है। लोकतंत्र को परिभाषित करने का यह तरीका हमें लोकतंत्र में आवश्यक न्यूनतम विशेषताओं की स्पष्ट पहचान करने में मदद करता है। हमारे समय में लोकतंत्र का सबसे आम रूप प्रतिनिधि लोकतंत्र है। आप इसके बारे में पिछली कक्षाओं में पढ़ चुके हैं। जिन देशों को हम लोकतंत्र कहते हैं, वहाँ सभी लोग शासन नहीं करते। बहुमत को सभी लोगों की ओर से निर्णय लेने का अधिकार होता है।

अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से।

यह आवश्यक हो गया क्योंकि:  
आधुनिक लोकतंत्रों में ऐसे

इतनी बड़ी संख्या में लोग हैं कि उनके लिए एक साथ बैठकर सामूहिक निर्णय लेना शारीरिक रूप से असंभव है।

यदि ऐसा हो भी तो नागरिकों के पास सभी निर्णयों में भाग लेने के लिए समय, इच्छा या कौशल नहीं होता।

इससे हमें लोकतंत्र की एक स्पष्ट, लेकिन न्यूनतम समझ मिलती है। यह स्पष्टता हमें लोकतंत्रों और गैर-लोकतंत्रों के बीच अंतर करने में मदद करती है।

लेकिन यह हमें लोकतंत्र और अच्छे लोकतंत्र के बीच अंतर करने की अनुमति नहीं देता।

यहाँ तक कि बहुमत भी सीधे तौर पर शासन नहीं करता। बहुसंख्यक लोग शासन करते हैं



©आर.के. लक्ष्मण, द टाइम्स ऑफ़

लोकतंत्र क्या है ? लोकतंत्र क्यों ?

13

हमें सरकार से परे लोकतंत्र की कार्यप्रणाली को देखने का अवसर मिलता है। इसके लिए हमें लोकतंत्र के व्यापक अर्थों पर विचार करना होगा।

कभी-कभी हम लोकतंत्र का इस्तेमाल सरकार के अलावा दूसरे संगठनों के लिए भी करते हैं। ज़रा इन कथनों को पढ़िए:

"हम एक बहुत ही लोकतांत्रिक परिवार हैं।

जब भी कोई निर्णय लेना होता है, हम सब बैठकर किसी निष्कर्ष पर पहुंचते हैं।

आम सहमति। मेरी राय भी उतनी ही मायने रखती है जितनी मेरे पिता की।"

"मुझे ऐसे शिक्षक पसंद नहीं जो छात्रों को कक्षा में बोलने और प्रश्न पूछने की अनुमति नहीं देते। मैं लोकतांत्रिक स्वभाव वाले शिक्षक चाहूंगा।"

"इस पार्टी में एक नेता और उसके परिवार के लोग ही सब कुछ तय करते हैं। वे लोकतंत्र की बात कैसे कर सकते हैं?"

लोकतंत्र शब्द का प्रयोग इसके मूल अर्थ, निर्णय लेने की एक विधि, पर आधारित है। एक लोकतांत्रिक निर्णय में उन सभी लोगों से परामर्श और सहमति शामिल होती है जो उस निर्णय से प्रभावित होते हैं। जो लोग शक्तिशाली नहीं हैं, उनका भी निर्णय लेने में उतना ही अधिकार होता है जितना कि शक्तिशाली लोगों का। यह बात सरकार, परिवार या किसी अन्य संगठन पर लागू हो सकती है। इस प्रकार लोकतंत्र भी एक ऐसा सिद्धांत है जिसे जीवन के किसी भी क्षेत्र में लागू किया जा सकता है।

कभी-कभी हम लोकतंत्र शब्द का प्रयोग किसी मौजूदा सरकार का वर्णन करने के लिए नहीं, बल्कि एक आदर्श मानक स्थापित करने के लिए करते हैं, जिसे सभी लोकतंत्रों को अपनाने का लक्ष्य रखना चाहिए:

"इस देश में सच्चा लोकतंत्र तभी आएगा जब कोई भी भूखा नहीं सोएगा।"

"लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को निर्णय लेने में समान भूमिका निभाने का अधिकार होना चाहिए। इसके लिए आपको केवल वोट देने के समान अधिकार की आवश्यकता नहीं है। प्रत्येक नागरिक के पास समान जानकारी, बुनियादी शिक्षा, समान संसाधन और भरपूर प्रतिबद्धता होनी चाहिए।"

अगर हम इन आदर्शों को गंभीरता से लें, तो दुनिया का कोई भी देश लोकतांत्रिक नहीं है। फिर भी, लोकतंत्र को एक आदर्श के रूप में समझना हमें याद दिलाता है कि हम लोकतंत्र को क्यों महत्व देते हैं। यह हमें मौजूदा लोकतंत्र का आकलन करने और उसकी कमज़ोरियों को पहचानने में सक्षम बनाता है। यह हमें न्यूनतम लोकतंत्र और अच्छे लोकतंत्र के बीच अंतर करने में मदद करता है।

इस पुस्तक में हम लोकतंत्र की इस विस्तृत अवधारणा पर ज़्यादा चर्चा नहीं करते। यहाँ हमारा ध्यान एक शासन-प्रणाली के रूप में लोकतंत्र की कुछ प्रमुख संस्थागत विशेषताओं पर केंद्रित है।

अगले साल आप एक लोकतांत्रिक समाज और हमारे लोकतंत्र के मूल्यांकन के तरीकों के बारे में और पढ़ेंगे। इस स्तर पर हमें बस यह ध्यान रखना है कि लोकतंत्र जीवन के कई क्षेत्रों में लागू हो सकता है और लोकतंत्र कई रूप ले सकता है। लोकतांत्रिक तरीके से निर्णय लेने के कई तरीके हो सकते हैं, बशर्ते समान आधार पर परामर्श के मूल सिद्धांत को स्वीकार किया जाए। आज की दुनिया में लोकतंत्र का सबसे आम रूप जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन है। हम इसके बारे में अध्याय 3 में और पढ़ेंगे। लेकिन अगर समुदाय छोटा है, तो लोकतांत्रिक निर्णय लेने के और भी तरीके हो सकते हैं। सभी लोग एक साथ बैठकर सीधे निर्णय ले सकते हैं। एक गाँव में ग्राम सभा को इसी तरह काम करना चाहिए। क्या आप निर्णय लेने के कुछ और लोकतांत्रिक तरीकों के बारे में सोच सकते हैं?



मेरे गाँव में ग्राम सभा कभी नहीं मिलती। क्या यह लोकतांत्रिक है?



## गतिविधि

अपने विधानसभा क्षेत्र और संसदीय क्षेत्र में कुल पात्र मतदाताओं की संख्या पता करें। पता करें कि आपके क्षेत्र के सबसे बड़े स्टेडियम में कितने लोग आ सकते हैं। क्या आपके संसदीय या विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं के लिए एक साथ बैठकर सार्थक चर्चा करना संभव है?

इसका यह भी अर्थ है कि कोई भी देश पूर्ण लोकतंत्र नहीं होता। इस अध्याय में हमने लोकतंत्र की जिन विशेषताओं पर चर्चा की है, वे लोकतंत्र की न्यूनतम शर्तें ही प्रदान करती हैं।

लोकतंत्र। यह उसे आदर्श लोकतंत्र नहीं बनाता। हर लोकतंत्र को लोकतांत्रिक निर्णय लेने के आदर्शों को साकार करने का प्रयास करना होगा। यह एक बार में और हमेशा के लिए हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए निर्णय लेने के लोकतांत्रिक तरीकों को बचाने और मजबूत करने के निरंतर प्रयास की आवश्यकता है। नागरिक के रूप में हम जो करते हैं, उससे बदलाव आ सकता है।

लोकतंत्र की कमजोरी: देश का भाग्य केवल इस बात पर निर्भर नहीं करता कि शासक क्या करते हैं, बल्कि मुख्य रूप से इस बात पर निर्भर करता है कि हम नागरिक के रूप में क्या करते हैं।

यही बात लोकतंत्र को अन्य सरकारों से अलग करती है।

राजतंत्र, तानाशाही या एकदलीय शासन जैसे अन्य शासन-प्रणालियों में सभी नागरिकों की राजनीति में भागीदारी अनिवार्य नहीं होती। वास्तव में, अधिकांश गैर-लोकतांत्रिक सरकारें चाहती हैं कि नागरिक राजनीति में भाग न लें। लेकिन लोकतंत्र सभी नागरिकों की सक्रिय राजनीतिक भागीदारी पर निर्भर करता है। इसलिए लोकतंत्र के अध्ययन में लोकतांत्रिक राजनीति पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है।

हमारे देश को कमोबेश लोकतांत्रिक बनाना। यही ताकत है और

## अभ्यास

1 यहाँ चार देशों के बारे में कुछ जानकारी दी गई है। इसके आधार पर

जानकारी के अनुसार, आप इनमें से प्रत्येक देश को कैसे वर्गीकृत करेंगे? इनमें से प्रत्येक के सामने 'लोकतांत्रिक', 'अलोकतांत्रिक' या 'निश्चित नहीं' लिखें। a देश A: वे लोग जो देश के आधिकारिक धर्म को स्वीकार नहीं करते

वोट देने का अधिकार नहीं है।

देश B: एक ही पार्टी पिछले कई वर्षों से चुनाव जीत रही है

बीस वर्ष। c देश C: सत्तारूढ़

पार्टी पिछले तीन चुनावों में हारी है। d देश D: कोई स्वतंत्र चुनाव आयोग नहीं है।

2 यहाँ चार देशों के बारे में कुछ जानकारी दी गई है। इस जानकारी के आधार पर, आप इनमें से प्रत्येक देश को कैसे वर्गीकृत करेंगे? इनमें से प्रत्येक के सामने 'लोकतांत्रिक', 'अलोकतांत्रिक' या 'निश्चित नहीं' लिखें। एक देश P: संसद सेना के बारे में कोई कानून पारित नहीं कर सकती।

सेना प्रमुख की सहमति के बिना।

देश Q: संसद न्यायपालिका की शक्तियों को कम करने वाला कानून पारित नहीं कर सकती। देश R: देश के नेता अपने पड़ोसी देश की अनुमति के बिना किसी अन्य देश के साथ

कोई संधि पर हस्ताक्षर नहीं कर सकते।

देश एस: देश के बारे में सभी प्रमुख आर्थिक निर्णय केंद्रीय बैंक के अधिकारियों द्वारा लिए जाते हैं जिन्हें मंत्री बदल नहीं सकते।

इनमें से कौन सा तर्क लोकतंत्र के पक्ष में अच्छा नहीं है? क्यों?

क. लोकतंत्र में लोग स्वतंत्र और समान महसूस करते हैं। ख. लोकतंत्र दूसरों की तुलना में संघर्ष

को बेहतर तरीके से सुलझाते हैं। ग. लोकतांत्रिक सरकार लोगों के प्रति अधिक जवाबदेह होती है। घ. लोकतंत्र दूसरों की

तुलना में अधिक समृद्ध होते हैं।

लोकतंत्र क्या है ? लोकतंत्र क्यों ?

15

4 इनमें से प्रत्येक कथन में एक लोकतांत्रिक और एक अलोकतांत्रिक पहलू निहित है

तत्व। प्रत्येक कथन के लिए दोनों को अलग-अलग लिखें। **a** एक मंत्री ने कहा कि विश्व व्यापार संगठन (WTO) द्वारा तय किए गए नियमों के अनुरूप होने के लिए कुछ कानूनों को संसद द्वारा पारित किया जाना चाहिए। **b** चुनाव आयोग ने एक निर्वाचन क्षेत्र में पुनर्मतदान का आदेश दिया।

जहां बड़े पैमाने पर धांधली की सूचना मिली थी।

संसद में **महिलाओं** का प्रतिनिधित्व मुश्किल से 10 प्रतिशत तक पहुँच पाया है। इसी वजह से महिला संगठनों ने महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटों की माँग की है।

5 इनमें से कौन सा यह तर्क देने का वैध कारण नहीं है कि कमतर है

एक लोकतांत्रिक देश में अकाल की संभावना क्या है? (क) **विपक्षी** दल भूख और भुखमरी की ओर ध्यान आकर्षित कर सकते हैं। (ख) स्वतंत्र प्रेस देश के विभिन्न हिस्सों में अकाल से पीड़ित लोगों की रिपोर्ट कर सकता है।

देश.

**सरकार** को अगले चुनावों में अपनी हार का डर है। **लोग** किसी भी धर्म को मानने और उसका पालन करने के लिए स्वतंत्र हैं।

6 ज़िले में 40 गाँव ऐसे हैं जहाँ सरकार ने पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं की है। इन ग्रामीणों ने बैठक की और सरकार पर अपनी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए दबाव बनाने के कई तरीकों पर विचार किया।

इनमें से कौन-सा लोकतांत्रिक तरीका नहीं है? (क) न्यायालय में यह दावा करते हुए मामला

दायर करना कि पानी जीवन के अधिकार का हिस्सा है। (ख) सभी दलों को संदेश देने के लिए अगले चुनावों का बहिष्कार करना। (ग) सरकार की नीतियों के खिलाफ सार्वजनिक बैठकें आयोजित करना। (घ) पानी प्राप्त करने के लिए सरकारी अधिकारियों को पैसे देना।

7 लोकतंत्र के विरुद्ध निम्नलिखित तर्कों पर प्रतिक्रिया लिखें:

क. **सेना** देश का सबसे अनुशासित और भ्रष्टाचार-मुक्त संगठन है। इसलिए देश पर सेना का शासन होना चाहिए। **ख**. बहुमत का शासन अज्ञानी लोगों का शासन है। हमें बुद्धिमानों के शासन की आवश्यकता है, भले ही उनकी संख्या कम ही क्यों न हो। **ग**. यदि हम चाहते हैं कि धार्मिक नेता आध्यात्मिक मामलों में हमारा मार्गदर्शन करें, तो उन्हें राजनीति में भी मार्गदर्शन के लिए क्यों न आमंत्रित किया जाए। देश पर धार्मिक नेताओं का शासन होना चाहिए।

8 क्या ये कथन लोकतंत्र के मूल्य के अनुरूप हैं? क्यों? **एक** पिता अपनी बेटी से कहता है: मैं तुम्हारी शादी के बारे में तुम्हारी राय नहीं जानना चाहता। हमारे परिवार में बच्चे वहीं शादी करते हैं जहाँ माता-पिता उन्हें बताते हैं।

**ख**. शिक्षक छात्र से: कक्षा में मुझसे प्रश्न पूछकर मेरी एकाग्रता भंग न करें। **ग**. कर्मचारी अधिकारी से: कानून के अनुसार हमारे काम के घंटे कम किए जाने चाहिए।

9 किसी देश के बारे में निम्नलिखित तथ्यों पर विचार करें और निर्णय लें कि क्या आप इसे लोकतंत्र कहिए। अपने निर्णय के समर्थन में कारण बताइए।



## अभ्यास

देश के सभी नागरिकों को वोट देने का अधिकार है। चुनाव होते हैं

नियमित रूप से।

देश ने अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से कर्ज लिया। कर्ज देने की एक शर्त यह थी कि सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य पर अपने खर्च कम करेगी।

c लोग सात से अधिक भाषाएं बोलते हैं लेकिन शिक्षा केवल एक ही भाषा में उपलब्ध है, जो उस देश के 52 प्रतिशत लोगों द्वारा बोली जाती है। d कई संगठनों ने इन नीतियों का विरोध करने के लिए देश में शांतिपूर्ण प्रदर्शनों और राष्ट्रव्यापी हड़तालों का आह्वान किया है।

सरकार ने इन नेताओं को गिरफ्तार कर लिया है।

देश में रेडियो और टेलीविजन का स्वामित्व सरकार के पास है। सभी अखबारों को सरकारी नीतियों और विरोध प्रदर्शनों के बारे में कोई भी खबर प्रकाशित करने के लिए सरकार से अनुमति लेनी होती है।

10 2004 में अमेरिका में प्रकाशित एक रिपोर्ट ने उस देश में बढ़ती असमानताओं की ओर इशारा किया। आय में असमानता लोकतंत्र में लोगों की भागीदारी में परिलक्षित होती है। इसने सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों को प्रभावित करने की उनकी क्षमता को भी आकार दिया। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि: यदि एक औसत अश्वेत परिवार 100 डॉलर कमाता है, तो औसत श्वेत परिवार की आय 162 डॉलर है। एक श्वेत परिवार के पास औसत अश्वेत परिवार की तुलना में बारह गुना अधिक संपत्ति है।

राष्ट्रपति चुनाव में, 75,000 डॉलर से अधिक आय वाले परिवारों के लगभग 10 में से 9 लोगों ने मतदान किया है। ये लोग आय के मामले में जनसंख्या के शीर्ष 20% हैं। दूसरी ओर, 15,000 डॉलर से कम आय वाले परिवारों के 10 में से केवल 5 लोगों ने मतदान किया है। ये लोग आय के मामले में जनसंख्या के सबसे निचले 20% हैं।

राजनीतिक दलों को लगभग 95% चंदा अमीरों से आता है। इससे उन्हें अपनी राय और चिंताएँ व्यक्त करने का अवसर मिलता है, जो ज्यादातर नागरिकों को उपलब्ध नहीं होता।

चूंकि गरीब तबके की राजनीति में भागीदारी कम होती है, इसलिए सरकार उनकी चिंताओं पर ध्यान नहीं देती - गरीबी से बाहर निकलने, नौकरी, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आवास की व्यवस्था करने की। राजनेता अक्सर व्यापारियों और अमीरों की चिंताओं के बारे में सुनते हैं।

इस रिपोर्ट में दी गई जानकारी का उपयोग करते हुए, लेकिन भारत से उदाहरण लेते हुए, 'लोकतंत्र और गरीबी' पर एक निबंध लिखें।



ज्यादातर अखबारों का एक संपादकीय पृष्ठ होता है। उस पृष्ठ पर अखबार समसामयिक विषयों पर अपनी राय प्रकाशित करता है। साथ ही, अखबार अन्य लेखकों और बुद्धिजीवियों के विचार और पाठकों द्वारा लिखे गए पत्र भी प्रकाशित करता है। किसी भी एक अखबार को एक महीने तक पढ़ते रहें और उस पृष्ठ पर लोकतंत्र से जुड़े संपादकीय, लेख और पत्र एकत्र करें।

इन्हें निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत करें:

लोकतंत्र के संवैधानिक और कानूनी पहलू  
नागरिकों के अधिकार  
चुनावी और दलीय राजनीति  
लोकतंत्र की आलोचना

लोकतंत्र क्या है ? लोकतंत्र क्यों ?